

9-11-23 फ़ावली पेंस हुयी वकील वादी अनुपास्थित
वकील प्रतिवादी उपास्थित। बार-बार आवाज
दिलवाए गयी। बार-बार आवाज दिलवाने के
बावजूद वादी व वकील वादी में से कौड़ी
उपास्थित नहीं। अतः अदम हाजरी। अदम पेंसी
में वादी का वाद खारिज किया जाता है।
फ़ावली पेंसल शुमार होकर नम्बर से
कम हो।

~~अ~~
उपखण्ड अधिकारी
रूपनगढ़ (अजमेर)

09.11.23

